PETROLEUM IN KHASI HILLS

*2504. **Shri Bimalaprosad Chaliha:** Will the Minister of **Natural Resources and Scientific Research** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that recent geological survey has shown the existence of petroleum in Khasi Hills; and

(b) if so, whether the Geological Survey will undertake prospecting?

The Deputy Minister of Natural Resources and Scientific Research (Shri K. D. Malaviya): (a) While making a survey of the coalfields of the Khasi Hills, some oil seepages were found in the Khasi Hills near the border of the Sylhet district. Gas shows were also noticed associated with these oil seepages.

(b) The question of undertaking further work in the area is under consideration.

Shri Bimalaprosad Chaliha: Is there any Indian enterprise which could undertake prospecting and exploitation of petroleum?

Shri K. D. Malaviya: What little survey the Survey of India has carried out shows that the prospecting of this area will entail too much cost and the Director-General of Survey of India is of the opinion that it will not be a practical proposition to undertake detailed prospecting of this area. However in order to delimit the areas where more oil could be prospected, the Director-General of the Survey of India proposes to carry on some further surveys in this connection.

Shri Bimalaprosad Chaliha: Is it under the consideration of Government to sponsor any mineral oil prospecting and exploiting enterprise with State participation?

Shri K. D. Malaviya: This is too general a question.

Mr. Speaker: He wants to know whether there is any such intention on the part of Government.

Shri K. D. Malaviya: There is no intention on the part of Government to undertake detailed prospecting for such areas.

अधिक ऊंचाई वाला (हाई आल्टीट्यूड) गवेषणा केन्द्र

*२५०५. **श्री भक्त दर्शन :** क्या **प्राकृतिक संसाधन तथा वैज्ञानिक गवेषणा** मंत्री १० अगस्त, १९५३ को पूछे गये तारांकित प्रश्न संख्या ३२९ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या उसके बाद अधिक ऊंचाई वाले (हाई आल्टीट्यूड) गवेषणा केन्द्र तथा वेधशाला की स्थापना में कोई प्रगति हुई है ?

प्राकृतिक संसाधन तथा वैज्ञानिक गवेषणा उपमंत्री (श्री के० डी० मालवीय) : इस सम्बन्ध में हाउस की टेबुल पर एक बयान रख दिया गया है । **देखिये परिशिष्ट १०, अनुबन्ध संख्या १५]**

श्री भक्त दर्शन : यह जो वक्तव्य दिया गया है इस से मालूम होता है कि कास्मिक रे रिसर्च स्टेशन्स तथा हाई आल्टीट्यूड रिसर्च स्टेशन अलग अलग स्थानों पर स्थापित किये जायेंगे, क्या मैं जान सकता हूं कि कितने वर्षों से इस सम्बन्ध में छानबीन की जा रही है, अब तक किन किन स्थानों की छानबीन की गयी है और उनके सम्बन्ध में क्या रिपोर्ट विशेषज्ञों ने दी हैं ?

श्री के० डी० मालवीय : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी आज्ञा से संक्षेप में यह कहना चाहूंगा कि लगभग दो, तीन वर्षों से इस सम्बन्ध में प्रयत्न हो रहे हैं और बोर्ड आफ़ साइंटिफिक एण्ड इंडस्ट्रियल रिसर्च ने अपनी एक उपसमिति भी इस सम्बन्ध में वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की बनाई थी । बार बार उन्होंने इस प्रश्न पर विचार किया लेकिन दिक्कत यह है कि मुनासिब तौर के आदमी नहीं मिल रहे हैं